गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

प्रेस विज्ञप्ति **दिनांकः 19.11.2012**

बिलासपुर : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर का तृतीय दीक्षांत समारोह सोमवार को (19 नवम्बर) को रजत जयंती सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पद्म विभूषण न्यायमूर्ति वी.एन. खरे को डॉक्टर ऑफ लेटर्स (डी. लिट.) की मानद उपाधि कुलाधिपति डॉ. एनआर माधव मेनन द्वारा प्रदान की गयी। इसके साथ ही 57 छात्र–छात्राओं को पीएच.डी. उपाधि, 78 छात्र–छात्राओं को गोल्ड मेडल (विश्वविद्यालय पदक), 17198 छात्र–छात्राओं को स्नातक की उपाधि 8585 छात्र–छात्राओं को स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की गयी। दीक्षांत समारोह ठीक अपराह्न 2.30 बजे शुरू हुआ और राष्ट्रगान के साथ सायं 4.30 बजे समापन हुआ।

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एम.एम. पल्लम राजू द्वारा भेजे गये दीक्षांत भाषण का वाचन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के ज्ञान प्राप्ति का लक्ष्य सिर्फ अपना लाभ नहीं, बल्कि उसका लक्ष्य समाज एवं देश के विकास के लिए भी होना चाहिए। अपने लिखित रूप से प्रेषित दीक्षांत भाषण में महान सतनामी संत गुरु घासीदास के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह आयाजित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सन 2020 तक उच्च शिक्षा में इनरोलमेण्ट का प्रतिशत 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है जिसके लिए बड़ी संख्या में शिक्षण संस्थानों की स्थापना की जायेगी। उन्होंने अपने भाषण में मूल्य आधारित शिक्षा की वकालत की, जिसमें पर्यावरण, मेडिकल, जेण्डर और प्रजातांत्रिक मूल्य प्रमुख हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आप सौभाग्यशाली हैं कि आपको ऐसे समय में अपनी भूमिका के निर्वाह का अवसर मिला है जब भारत विशेषकर भारतीय युवा की योग्यता को पूरे विश्व द्वारा माना जा रहा है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलाधिपति डॉ. एनआर माधव मेनन ने उपाधि एवं मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि अब भी उपनिवेशवादी मानसिकता से जकड़े हुए हैं। यह सोचते हैं कि भारत में कुछ नहीं होगा। यह मानसिकता उत्कृष्टता को पाने में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे इस मानसिकता से बाहर निकलें और एक सकारात्मक सोच रखें। अभी का भारत वह भारत है जहां विश्व के छठवें हिस्से की आबादी रहती है और जिसमें से 55 प्रतिशत आबादी उस युवा वर्ग की है जिसमें अपार सम्भावनाएं हैं। 60 लाख युवा यदि सकारात्मक सोच को अपना ले तो वह देश को मात्र आर्थिक शक्ति नहीं बल्कि ग्लोबल लीडर बना सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि

विश्वविद्यालय के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक माड्यूल ऐसा होना चाहिए जिसमें उस उत्तदायी नागरिकता के बारे में बताया जाय जिसकी बात भारतीय संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, कतव्यों एवं नीति–निर्देशक तत्वों में की गयी है। डॉ. मेनन ने पाठ्यक्रम को सामाजिक सरोकारों के अनुकूल बनाने पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में यहां के लोगों की आवश्यकताओं एव अपेक्षाओं के अनुसार पाठ्यक्रम का निर्धारण किये जायें। उन्होंने कहा कि किसी शैक्षणिक संस्थान में शिक्षा की गुणवत्ता इस बात से मापी की जायेगी कि उसने ज्ञान की समृद्धि, शोध पत्रों, पेटेण्ट्स, साइटेशन आदि में कितना योगदान है। उन्होंने छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे अपनी शारीरिक एवं मानसिक दोनों प्रकार की स्वस्थता पर ध्यान दें।

पद्म विभूषण न्यायमूर्ति वी.एन. खरे ने डॉक्टर ऑफ लेटर्स की उपाधि से सम्मानित करने पर विश्वविद्यालय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को उनके सफल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. लक्ष्मण चतुर्वेदी ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए यह गर्व का विषय है कि वह अपना तृतीय दीक्षांत समारोह सम्पन्न कर रहा है। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के द्वारा उच्च शिक्षा में गुणवत्ता प्राप्त करने हेतु किये गये प्रयासों को बताया जिसमें प्रमुख हैं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को 20 करोड़ रुपये से अधिक की शोध परियोजनाओं का स्वीकृत होना, विश्वविद्यायल में डेढ़ सौ से अधिक योग्य शिक्षकों की नियुक्ति, अधोसंरचना का विकास, पर्यावरण एवं जल संरक्षण हेतु किये गये प्रयास, गजानन माधव मुक्तिबोध एवं गुरु घासीदास के नाम पर स्थापित शोधपीठ, छात्र–छात्राओं के लिए अनेक सुविधाओं का विकास शामिल हैं। प्रशासन में पारदर्शिता एवं शीघ्रता के लिए इन्फार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नालॉजी का प्रयोग, अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन शामिल है। विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान यह है कि यहां 3.0 एमवी पार्टिकल एक्सलेरेटर की स्थापना की जा रही है जिससे अन्तरर्विषयक शोध कार्य को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए यूजीसी से 11 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय करदाताओं के पैसे से चलता है। अतः विश्वविद्यालय का सबसे बड़ा दायित्व अपने छात्र–छात्राओं को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान किया जाना हे।

आरम्भ में सम्मानित अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा एवं गुरु घासीदास के चित्र पर माल्यार्पण एवं उनके समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कुलपति डॉ. चतुर्वेदी ने पद्म विभूषण न्यायमूर्ति वी.एन. खरे, कुलाधिपति डॉ. एनआर माधव मेनन को स्मृति चिह्न, शाल एवं नारियल भेंटकर सम्मानित किया।

समारोह का संचालन कला अध्ययनशाला के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. एमएसके खोखर ने किया। इस अवसर पर बिलासपुर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. जीडी शर्मा, पं. सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरके चन्द्राकर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय की प्रथम लेडी प्रो. चन्द्रमोहिनी चतुर्वेदी, पूर्व उपकुलपति डॉ. पीसी उपाध्याय, पूर्व कार्यपरिषद सदस्य श्री जावेद उस्मानी सहित कार्यपरिषद, विद्या परिषद के सदस्य, समस्त अधिष्ठातागण, विभागाध्यक्ष, छात्र परिषद के पदाधिकारी एवं सदस्यगण, कर्मचारीगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं तथा उनके अभिभावक मौजूद थे।

उपाधि एवं मेडल पाकर गदगद दिखे छात्र

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के रजत जयंती सभागार में तृतीय दीक्षांत समारोह में उपाधि एवं मेडल पाकर छात्र–छात्राएं गदगद दिखे। छात्र–छात्राओं ने इसे जीवन का खूबरसूरत लम्हा बताया। अंग्रेजी में पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाली देवाश्री चक्रवर्ती ने कहा कि वर्षों का सपना पूरा हुआ। एसएससी माइक्रोबायोलाजी में गोडल मेडल प्राप्त करने वाली कु. प्रीती अरोरा ने कहा कि गोल्ड मेडल प्राप्त करना ही बहुत बड़ी बात है। वह साइंसिस्ट बनना चाहती हैं। बीएसएसी बायोलॉजी में गोल्ड मेडल सहित चार गोल्ड प्राप्त करने वाली कु. भारती उपाध्याय ने कहा कि मेहनत का फल अच्छा मिला। एमएससी ग्रामीण प्रौद्योगिकी में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली कु. चैताली मेश्राम ने सफलता का श्रेय मम्मी–डैडी सहित शिक्षकों को दिया। कहा –गोल्ड मेडल प्राप्त करने से काफी खुशी हुई। कु. मेश्राम विश्वविद्यालय छात्र परिषद की सचिव भी रह चुकी हैं। वानिकी में पीएचडी प्राप्त करने वाले अजय कुमार सिंह ने कहा कि रिमोर्ट सेंसिंग वाटरशेड मैनेजमेण्ट में शोध विश्वविद्यालय का प्रथम शोध है। एमएससीजे में गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले देवेश तिवारी ने कहा कि गोल्ड मेडल मिलने से काफी खुशी हो रही है। उन्होंने माता–पिता सहित गुरुजनों को सफलता का श्रेय दिया।

चार–चार मेडल पाकर हुई खुशी

दीक्षांत समारोह में चार–चार मेडल प्राप्त करने वाले चार विद्यार्थी रहे। जिसमें एमएससी गणित के प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अतनु गोस्वामी, बीएसएसी में कु. भारती उपाध्याय, एलएलबी में रोहित शर्मा शामिल रहे। बीई मैकेनिकल के वकार अहमद को विश्वविद्यालय पदक सहित कुल तीन पदक मिले। विश्वविद्यालय पद समस्त परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्रतिशत में प्राप्त करने पर मिलता है कु. सूरज पैकरा ने अजा/अजजा वर्ग से एमसीए में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर स्व. श्रीमती शारदा –प्रो

मनोरंन प्रसाद सिन्हा मेमोरियल पदक दिया गया। इसके साथ ही 13 अन्य विद्यार्थियों को दो–दो पदकों से सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले कुल 78 विद्यार्थियों में 43 छात्राएं शामिल हैं।